हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 12, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 जून, 2021 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

महाराष्ट्र : ईडी ने अनिल देशमुख के आवास पर मारा छापा, मनी लॉन्ड्रिंग का लगा आरोप

नागपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के घर पर छापेमारी की। ईडी ने अनिल देशमुख के नागपुर और मुंबई के वर्ली वाले घर पर छापेमारी की। ईडी की ओर से नागपुर और मुंबई में अलग-अलग छापेमारी की जा रही हैं। बता दें मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से लगाए गए आरोप के बाद अनिल देशमुख पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था, जिसको लेकर ईडी लगातार उनसे पूछताछ कर रही है।

बता दें कि परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इसके अलावा परमबीर सिंह ने बॉम्बे हाईकोर्ट में भी एक याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाजे को हर महीने लगभग 100 करोड़ रुपये की उगाही करने को कहा था। मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल देशमुख के घर पर दूसरी बार छापा मारा है। इससे पहले 25 मई को उनके घर पर छापेमारी की गई थी। बता दें कि

प्रवर्तन निदेशालय से पहले सीबीआई ने उनके घर पर छापेमारी की थी। अनिल देशमुख पर ये इल्जाम लगने के बाद उन्होंने गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। परमबीर सिंह के अलावा सचिन वाजे ने भी अनिल देशमुख पर अनैध वसूली का आरोप लगाया था। सचिन वाजे ने एएनआई को दिए बयान में कहा कि मैंने छह जून 2020 को दोबारा ड्यूटी ज्वाइन की थी। हालांकि मेरी ज्वाइनिंग से शरद पवार खुश नहीं थे, और उन्होंने मुझे दोबारा सस्पेंड करने के लिए कहा। यह बात मुझे खुद अनिल देशमुख ने बताई थी। अनिल देशमुख ने मुझसे पवार को मनाने के लिए दो करोड़ रुपये भी मांगे थे। इतनी बड़ी रकम मेरे लिए चुकाना मुमकिन नहीं था, अनिल देशमुख ने मुझे इसे बाद में चुकाने को कहा। इसके बाद मेरी पोस्टिंग मुंबई के क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट में हुई।

बेंगलुरुः भाजपा की पूर्व पार्षद की सरेआम हत्या घर के सामने ही बदमाशों ने 17 बार मारे चाकू

बेंगलुरु। बेंगलुरु में भाजपा की पूर्व पार्षद की सरेआम हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि इस वारदात को बाइक सवार बदमाशों ने उनके ही घर के सामने अंजाम दिया। पुलिस का अनुमान है कि हत्या की वजह रंजिश हो सकती है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, वृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) की पूर्व भाजपा पार्षद रेखा कादिरेश (46) की गुरुवार (24 जून) को कॉटनपेट में उनके घर के सामने हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि हमले के बाद रेखा कादिरेश को केंपे गौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एस मुरुगन ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे रेखा फूड किट बांट रही थीं। उस दौरान दो मोटरसाइकिलों पर कुछ युवक आए। उन्होंने धारदार हथियार से रेखा पर 17 बार वार किए, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गईं। पुलिस का कहना है कि हमारी जांच चल रही है। जल्द ही हम अपराधियों को गिरफ्तार कर लेंगे।

ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट पर घमासान, भाजपा प्रवक्ता ने दिल्ली सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। महामारी की दूसरी लहर में सामने आई ऑक्सीजन की किल्लत को लेकर एक बार फिर से केंद्र और दिल्ली सरकार आमने सामने आ गई है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की बनाई ऑक्सीजन ऑडिट टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली सरकार ने महामारी के दौरान चार गुना अधिक ऑक्सीजन की जरूरत बताई थी। रिपोर्ट को तैयार करने वाली टीम में दिल्ली स्थित एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया, दिल्ली सरकार के प्रिंसिपल होम सेक्रेट्री भूपिंदर भल्ला, मैक्स हेल्थकेयर के डायरेक्टर डॉक्टर संदीप बुद्धिराजा, केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के ज्वाइंट डायरेक्टर सुबोध यादव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने 25अप्रैल-10 मई के बीच जरूरत से चार गुना अधिक ऑक्सीजन की मांग की थी। बता दें कि इस दौरान देश में महामारी चरम पर थी। इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस अधिक मांग की वजह से देश के अन्य राज्यों को ऑक्सीजन की किल्लत का सामना करना पड़ा था। ऐसे करीब 12 राज्य थे। दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के झूठ की वजह से 12 राज्यों में ऑक्सीजन किल्लत हुई, क्योंकि ऑक्सीजन की अधिक सप्लाई अन्य राज्यों से काटकर दिल्ली को करनी पड़ी थी।

यूपी : बलरामपुर में बाइक से टकराकर पानी भरे गड्ढे में गिरी कार, छह की मौत

बलरामपुर। बलरामपुर थाना क्षेत्र के शिवा नगर चयपुरवा गांव के पास तेज रफ्तार कार बाइक से टकराकर सड़क के किनारे पानी भरे गड्ढे में गिर गई। कार में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। यह लोग देवी पाटन शक्तिपीठ तुलसीपुर दर्शन के लिए जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे गोंडा से देवीपाटन शक्तिपीठ जा रही तेज रफ्तार कार शिवा नगर चयपुरवा गांव के पास बाइक सवार के टकराकर सड़क के किनारे पानी भरे गड्ढे में गिर गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद कार में सवार छह लोगों को बाहर निकाला। यह सभी लोग डूबने की वजह से बेहोश थे। एंबुलेंस की मदद से सभी को जिला अस्पताल बलरामपुर भेजा गया। परीक्षण के उपरांत डॉक्टर ने सभी लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान उसी गांव के इन्द्रसेन सिंह ने की है। मृतकों में शत्रुघ्न सिंह 52 वर्ष, कृष्ण कुमार सिंह 45 वर्ष, स्नेह लता 44 वर्ष, तनु 15 वर्ष, मिली 14 वर्ष तथा उत्कर्ष 12 वर्ष शामिल हैं। सभी ग्राम मनियाए मन्हना थाना तरबगंज जनपद गोंडा के निवासी थे। घायल बाइक सवार लाले उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम रानी जोत थाना महाराजगंज तराई को इलाज के लिए बहराइच रेफर किया गया है। प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सड़क किनारे खड़ी थी बरातियों से भरी बस, ट्रक ने मारी टक्कर, चार की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के ओपी इलाके में शुक्रवार (25 जून) सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दरअसल, यहां बरातियों से भरी बस में तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। यह बस पंक्चर होने की वजह से सड़क किनारे खड़ी थी। बताया जा रहा है कि यह बरात मोतिहारी के ढाका से लौट रही थी, लेकिन रास्ते में पंक्चर हो गई। उस दौरान कुछ बराती उतरकर बस के सामने खड़े हो गए, जबकि काफी बराती बस में ही बैठे हुए थे। उस दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से बस में टक्कर मार दी, जिससे बस के सामने खड़े चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल हो गए। इस हादसे के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि सड़क हादसे के बाद करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। इसके बाद पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पहुंच गए। उन्होंने बस को क्रेन के जरिए सड़क से हटाया गया। मृतकों की पहचान रमेश तिवारी, अभिनव कुमार उर्फ सोनू, मुकुंद कुंवर और धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई। वहीं, राहुल कुमार, गोलू कुमार, रितिक कुमार, विपुल कुमार, सोनू कुमार, मो. इजाज, नवल सिंह, मोनू कुमार और रामपुकार सिंह गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

नरेश टिकैत का बड़ा बयान, सरकार ने कृषि मंत्री को बना रखा पिंजरे का तोता

मेरठ। गाजीपुर बॉर्डर पर किसान की ताकत का एहसास कराने के लिए ट्रैक्टर रैली निकाली जा रही है। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत का कहना है कि देश का किसान कमजोर नहीं है। बीच के रास्ते हमेशा खुले हुए हैं, पर सरकार को अपनी जिद छोड़नी होगी। सरकार ने कृषि मंत्री को पिंजरे वाला तोता बना रखा है, यदि उन्हें अधिकार दिए जाएं तो फैसला हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले सात माह से गाजीपुर बॉर्डर पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के नेतृत्व में कृषि कानून के विरोध में धरना चल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा कानून वापस न लेने पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकतर टोल प्लाजा पर धरना दे रखा है। वहीं गुरुवार को मुजफ्फरनगर व सहारनपुर के किसानों द्वारा गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचकर सरकार को अपनी ताकत का एहसास कराने के लिए ट्रैक्टर रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि रैली निकालने के पीछे कोई खास

मकसद नहीं है। रैली तो निकलती ही रहेगी। उन्होंने कहा अभी मुजफ्फरनगर व सहारनपुर से ट्रैक्टर रैली निकाली गई है। अब शनिवार व रविवार को शामली, बागपत, हापुड़, गाजियाबाद आदि जिलों से ट्रैक्टर रैलियां निकाली जाएंगी और गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिद पर अड़ी हुई है। देश का किसान भी कमजोर नहीं है। हमेशा बातचीत के लिए बीच के रास्ते खुले हुए हैं। लेकिन सरकार को अपनी जिद छोड़कर किसानों से माफी मांगनी होगी। नरेश टिकैत ने कहा कि कृषि मंत्री अच्छे हैं, हम उन्हें गलत नहीं कहते। उन्हें पिंजरे का तोता बना रखा है, राजनाथ सिंह उन्हें अधिकार दें। यदि उन्हें अधिकार दें तो फैसला हो जाएगा। सरकार में भी सभी लोग अच्छे हैं।

शोपियां के हाजीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू। शोपियां जिले के हाजीपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। जिसमें एक आतंकी का खात्मा हो चुका है। मारे गए आतंकी की अभी पहचान नहीं हुई है। फिलहाल मुठभेड़ जारी है। इस ऑपरेशन को सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम अंजाम दे रही है।

बता दें कि हाजीपोरा इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला और एक आतंकी को मार गिराने में सफलता पाई। अभी ऑपरेशन जारी है। गुरुवार को 15 कोर के जीओसी, लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने एक कार्यक्रम में बताया था कि घाटी में करीब 200 आतंकी हैं। उम्मीद है कि हम साल के अंत तक संख्या कम कर देंगे। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से संबंधित हिंसा में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। आपराधिक तत्व सीमा पार से नियंत्रित होते हैं। देश के भीतर दुश्मन निहत्थे लोगों को मारकर लोगों में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा कि इन दिनों सामने आ रही घटनाओं में कुछ आपराधिक तत्व निहत्थे सुरक्षा कर्मियों या नागरिकों को मार रहे हैं। इन कृत्यों को आतंकवादी घटनाएं नहीं कहा जा सकता है। आतंकवादियों द्वारा भय का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी साजिश के तहत कश्मीर में शांति और विकास को बाधित करने के लिए निर्दोष लोगों और राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या कर दी गई। आपराधिक तत्वों को सीमा पार से और कुछ को भीतर के दुश्मनों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दुश्मन शांति, स्थिरता और विकास से इतने निराश हैं कि वे दुकानदारों, राजनेताओं और निहत्थे पुलिसकर्मियों को मार रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं पर काम कर रही हैं, उम्मीद है कि उन्हें रोका जाएगा।

मुझे विश्वास, जल्द ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ 3 नौसेनाओं में शामिल होगी इंडियन नेवी : रक्षा मंत्री

कोच्चि। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने वहां निमार्णाधीन पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत (आइएसी) का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अगले साल स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर की शुरूआत भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर सही मायने में एक उपहार होगा। उन्होंने कहा कि विमानवाहक पोत के शामिल होने से नौसेना की ताकत बढ़ जाएगी। समुद्री क्षेत्रों में भारत के हितों को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी। आइएसी को आइएनएस विक्रांत का नाम दिया जाएगा। इस साल इसका समुद्री परीक्षण पूरा कर लिया जाएगा और अगले साल इसका जलावतरण किए जाने की संभावना है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा, मुझे विश्वास है कि वो दिन दूर नहीं है जब इंडियन नेवी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तीन नौसेनाओं में शामिल होगी। रक्षा मंत्री ने कहा, अगले साल स्वदेशी लड़ाकू विमान वाहक पोत

की शुरूआत, आजादी के 75 साल पूरा होने पर सही मायने में एक उपहार होगा। इस युद्धपोत से देश की रक्षा क्षमता में जबरदस्त वृद्धि होगी। यह समुद्र में भारतीय हितों की सुरक्षा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए हमारा प्रोत्साहन, भारत के स्वदेशी उद्योग और जानकारी का उपयोग करना एक प्रमुख प्राथमिकता है। भारतीय शिपयार्ड में बनाए जा रहे 44 युद्धपोतों में से 42 इस बात का प्रमाण हैं। सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'गलवन गतिरोध के दौरान नौसेना की सक्रिय अग्रिम तैनाती ने हमारे इरादे का संकेत दिया कि हम शांति चाहते हैं लेकिन किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं।' उन्होंने आगे कहा कि नौसेना ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऑपरेशन समुद्र सेतु-I I के दौरान विदेशों से भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया और समुद्र सेतु-II के दौरान कोविड के खतरों के बावजूद लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन जहाजों द्वारा लाई गई।

नारद स्टिंग केसः एससी ने कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश को रद किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नारद घोटाला मामले में कोलकाता हाई कोर्ट के 9 जून के आदेश को शुक्रवार को रद कर दिया। साथ ही सोमवार 28 जून तक हाईकोर्ट में आवेदन दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कानून मंत्री मलय घटक ने आदेश को चुनौती दी थी। मामले सीबीआइ की स्थानांतरण याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने बंगाल सरकार का हलफनामा रिकार्ड पर लेने से इन्कार कर दिया था। मामला नारद घोटाले में सीबीआइ द्वारा तृणमूल कांग्रेस के चार नेताओं की गिरफ्तारी के दौरान मुख्यमंत्री और कानून मंत्री की भूमिका से जुड़ा हुआ है।

जस्टिस विनीत सरन और जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल की अध्यक्षता वाली हाई कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ से ममता और घटक की अर्जियों पर फिर से विचार करने का आग्रह किया। इससे पहले मंगलवार सुनवाई शुरू होती जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने स्वयं को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया है। इसके बाद मामले को मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद मामला जस्टिस विनीत सरन और दिनेश माहेश्वरी की पीठ के सामने सुनवाई के लिए लगा। जस्टिस सरन ने मामले को उनकी पीठ के लिए नया बताते हुए सुनवाई स्थगित कर दिया। उन्होंने हाई कोर्ट से 25 जून से पहले सुनवाई न करने का आग्रह किया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में कलकत्ता हाई कोर्ट के गत नौ जून के आदेश के खिलाफ तीन अपीलें लंबित हैं। दो अपीलें बंगाल सरकार और कानून मंत्री मलय घटक की ओर से दाखिल की गई हैं, जिनमें सीबीआइ की स्थानांतरण याचिका में ममता बनर्जी और घटक की ओर से दाखिल हलफनामा रिकार्ड पर लेने से हाई कोर्ट ने इन्कार कर दिया था। तीसरी याचिका ममता बनर्जी ने स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है और हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।

चीन की नई चालः एलएसी पर तनाव के बीच ड्रैगन ने भारतीय सीमा के पास शुरू की पहली बुलेट ट्रेन

बीजिंग। चीन ने भारत सीमा के पास तिब्बत में पहली बुलेट ट्रेन सेवा शुरू कर दी है। चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरूआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई जहां 'फूक्सिंग' बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ।

चीनी राष्ट्रपति ने दिया था परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश- सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में

नियंगची से जोड़ने वाली नई रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नई रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी।

चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे- सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरूआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू से होगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेडोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है चीन- चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। शिंगहुआ यनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था कि, 'चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।'

पायल रोहतगी गिरफ्तार, सोसायटी के चेयरमैन को जान से मारने की धमकी देने का है आरोप

मुम्बई। अक्सर अपने बयानों के चलते सुर्खियों में रहने वालीं एक्ट्रेस पायल रोहतगी को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक्ट्रेस पर सोसायटी के चेयरमैन को गाली देने और उन्हें जान से मारने की धमकी देना का आरोप है। चेयरमैन ने पायल रोहतगी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पायल पर आरोप है कि वो सोसायटी की सदस्य न होने के बाद भी उसकी 20 जून को चल रही मीटिंग में चली आईं और उन्होंने चेयरमैन समेत कई लोगों से जमकर झगड़ा और गाली गलौच की। बच्चों के सोसायटी में खेलने को लेकर भी उन्होंने लोगों से जमकर झगड़ा किया। पायल रोहतगी ने साल 2019 में सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें गांधी-नेहरू परिवार पर अशोभनीय टिप्पणियां की थीं। पायल की ऐसी हरकतों पर पहले भी मुंबई पुलिस उनका अकाउंट ब्लॉक करा चुकी थी। इस मामले में राजस्थान पुलिस ने पायल को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया था। हालांकि, इस मामले में उन्हें जमानत मिल गई थी। पायल रोहतगी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनका करियर

खास नहीं रहा है। उन्होंने फिल्म रिफ्यूजी, तुमसे मिलकर, रक्त, तौबा तौबा, 36 चाइना टाउन, ढोल, अलगी और पगली, दिल कबड्डी जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वो टीवी में भी काम कर चुकी हैं। पायल बिग बॉस में दिखीं थी, जहां से उन्हें चर्चा मिली थी। वो फियर फैक्टर इंडिया 2 में भी नजर आई थीं।

संपादकीय

तीसरा ध्रुव

चुनाव नजदीक आने पर राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन के लिए जगह भांपने या बनाने की कोशिश कोई नई बात नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर फिलहाल कोई चुनाव नजदीक नहीं होने के बावजूद अगर इस दिशा में कोई गतिविधि होती दिखती है तो वह लोगों का ध्यान खींचती है। इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से चुनावी रणनीतिकार के तौर पर जाने जा रहे प्रशांत किशोर के कई दलों के नेताओं से मिलने को विपक्ष का नया मोर्चा खड़ा करने की कोशिशों के तहत देखा जा रहा है। हालांकि देश भर में महामारी के संकट और उसके बीच सीमाओं में चलने वाली राजनीतिक गतिविधियों में यह कवायद कितना रंग ला पाएगी, यह कहना मुश्किल है, लेकिन एक पखवाड़े के भीतर प्रशांत किशोर की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता शरद पवार से तीन बार मुलाकात के संकेतों को समझने की कोशिश स्वाभाविक है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को मिली जीत के बाद इस बात की चर्चा फिर जोर पकड़ने लगी है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का विकल्प खड़ा करने की जरूरत है। लेकिन फिलहाल जिस दायरे में इस विकल्प पर चर्चा हो रही है, उसमें यह देखने की बात होगी कि इसमें शामिल पार्टियां क्या तीसरा मोर्चा खड़ा करने की दिशा में आगे कदम बढ़ाती हैं! गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व में राजग के सामने विकल्प के तौर पर कोई मजबूत विपक्ष नहीं दिख रहा है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, तो वह सीमित शक्ति के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करने की कोशिश करती है, लेकिन सरकार के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं खड़ा कर पाती है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परिदृश्य में वह खुद को मुख्य विपक्ष मान कर चलती है। ऐसी स्थिति में फिलहाल कुछ क्षेत्रीय पार्टियों के तालमेल से अगर कोई मोर्चा बनता भी है तो उसमें यह निश्चित नहीं है कि कौन कितने दिन तक टिका रहेगा। यों तीसरे मोर्चे के लिए अब तक हुई ज्यादातर पहल का हासिल कमोबेश यही रहा है। इस बार भी जैसी कोशिशें दिख रही हैं और उसमें जिन पार्टियों को शामिल माना जा रहा है, उनके सामने विपक्ष के मुख्य ध्रुव को चुनना एक बड़ी समस्या रही है। मसलन, समाजवादी पार्टी अगर तीसरे मोर्चे जैसे किसी गठबंधन में शामिल होने के बारे में सोचती है तो उसके सामने कांग्रेस के साथ सहयोग करने या नहीं करने का ऊहापोह कायम रहेगा। इसी तरह वामपंथी पार्टियों के सामने भी यह दुविधा बनी रहेगी कि भाजपा के विरोध के मोर्चे में वह कांग्रेस से कितनी दूरी बना सकेगी। पश्चिम बंगाल के हाल के विधानसभा चुनावों में भी वामपंथी पार्टियों का कांग्रेस के साथ तालमेल था। अब ताजा सुगबुगाहट में वामपंथी दलों के कुछ नेताओं के जिस तरह सक्रिय होने की खबरें हैं, उसमें कांग्रेस के साथ सहयोग का स्वरूप क्या होगा, यह अभी साफ नहीं है। दरअसल, ताजा गतिविधियों के सुर्खियों में आने की मुख्य वजह इसमें राकांपा नेता शरद पवार का केंद्र में होना है। राष्ट्रीय राजनीति में उनका अपना एक कद है और लगभग सभी पार्टियों के बीच उनकी स्वीकार्यता भी है। शायद इसीलिए अलग-अलग दलों के नेताओं के साथ बैठक के लिए उनके आवास को चुना गया। चूंकि अभी यह तय नहीं है कि इस बैठक के बाद कोई नया मोर्चा आकार लेगा या नहीं, इसलिए राकांपा सहित दूसरी पार्टियों ने भी इस बारे में कोई स्पष्ट राय सामने नहीं रखी है। लेकिन देश में मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए आठ राजनीतिक दलों के नेताओं की इस बैठक के बाद किसी गठबंधन की ओर बढ़ने के संकेत जरूर दिखते हैं।

खेला गया खेल !

आक्सीजन के नाम पर ।
खेला गया खेल ।।
जांच हुई तो तथ्यों से ।
नहीं खाया मेल ।।
पैसे की बबार्दी कर ।
झूठा हुआ प्रसार ।।
साबित हुआ दिखावा ।
झलका जो व्यवहार ।।
विज्ञापन से कितना लाभ ?
आंकलन की बारी ।।
खुली आखिर पोल ।
थी कैसी तैयारी ?
पीटा इतना ढ़ोल ।
दिखा नहीं कुछ खास ।।
और इतना विज्ञापन ।
आ रहा पर रास ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बालश्रम का नासूर

रवि शंकर

भारत दशकों से बालश्रम का नासूर झेल रहा है। देश का बचपन अपने सुनहरे सपनों की जगह कभी झाड़ू-पोंछे से किसी के घर को चमका रहा होता तो कभी अपने नाजुक कंधों पर बोझा ढोकर अपने परिवार का पेट पाल रहा होता है। हमारे यहां कहने को बच्चों को भगवान का रूप माना जाता है, पर उनसे मजदूरी कराने में कोई गुरेज नहीं होता। सरकारें बाल मजदूरी को खत्म करने के लिए बड़े-बड़े वादे और घोषणाएं करती हैं, पर नतीजा वही ढाक के तीन पात निकलता है। इतनी जागरूकता के बाद भी भारत में बाल मजदूरी के खात्मे के आसार दूर-दूर तक नहीं दिखते। हालांकि बालश्रम केवल भारत तक सीमित नहीं, यह एक वैश्विक घटना है। आज दुनिया भर में, लगभग 21.8 करोड़ बच्चे काम करते हैं, जिनमें से ज्यादातर को उचित शिक्षा और सही पोषण नहीं मिल पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक विश्व में इक्कीस करोड़ अस्सी लाख बालश्रमिक हैं, जबकि अकेले भारत में इनकी संख्या एक करोड छब्बीस लाख छियासठ हजार से ऊपर है। दुखद बात यह है कि वे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। उनमें से आधे से अधिक बालश्रम का सबसे खराब स्वरूप है, जैसे- हानिकारक वातावरण, गुलामी या मजबूर श्रम के अन्य रूपों, मादक पदार्थों की तस्करी और वेश्यावृत्ति सहित अवैध गतिविधियों, सशस्त्र संघर्षों तक में शामिल होते हैं।

पढ़ाई और खेलकूद की उम्र में वे काम करते हुए अपना बचपन गंवा देते हैं। यह ठीक है कि हमारे देश में बालश्रम को रोकने के लिए कई नियम और कानून हैं, लेकिन उनका सख्ती से पालन नहीं होता। यही वजह है कि भारत में बालश्रम मुख्य समस्याओं में से एक है। ऐसा नहीं कि बालश्रम को खत्म नहीं किया जा सकता है। अगर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए और कानून का सही तरीके से पालन हो, तो देश से बाल मजदूरी को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। मगर देश में बालश्रमिकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और उनसे खतरनाक काम भी कराए जाते हैं। वैसे तो बालश्रम के अनेक कारण हो सकते हैं, पर प्रमुख कारण देखा जाए तो गरीबी ही है। गरीब लोग अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए अपने बच्चों को मजदूरी पर भेजते हैं, यह उनकी मजबूरी होती है। वे अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की स्थिति में नहीं होते, इसलिए वे बच्चों को काम पर भेजते हैं। कई बच्चों के माता-पिता न होने के कारण वे बचपन में ही मजदूरी कर अपना पेट भरते हैं। कई बालश्रमिकों के परिवार की स्थिति पढ़ाई के अनुकूल होने के बाद भी मजदूरी के लालच में वे काम पर जाते हैं। मौजूदा समय में गरीब बच्चे सबसे अधिक शोषण का शिकार हो रहे हैं। आलम यह है कि जो गरीब बच्चियां होती हैं, उनको पढ़ने भेजने के बजाय घर में ही उनसे बालश्रम यानी घरेलू काम कराया जाता है। इसके अलावा बढ़ती जनसंख्या, सस्ती मजदूरी, शिक्षा का अभाव और मौजूदा कानून का सही तरीके से पालन न कराया जाना बाल मजदूरी के लिए जिम्मेदार है। बाल मजदूरी इंसानियत के लिए अभिशाप है। देश के विकास में बड़ा बाधक भी है। स्वस्थ बालक राष्ट्र का अभिमान है। आज का बालक कल का भविष्य है। ये उक्तियां स्पष्ट करती हैं कि देश की उन्नति का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तत्व बच्चे ही हैं। मगर तब हम उन्हीं कल के भविष्यों को चाय की दुकानों, ढाबों तथा उन क्षेत्रों में कार्य करते हुए देखते हैं, जहां पर उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमता का दुरुपयोग किया जाता है, तो हम शर्मसार हो जाते हैं। भारतीय संविधान के अनुसार किसी उद्योग, कल-कारखाने या किसी कंपनी में मानसिक या शारीरिक श्रम

करने वाले पांच से चौदह वर्ष की उम्र के बच्चों को बालश्रमिक कहा जाता है। भारत में 1979 में सरकार द्वारा बाल मजदूरी को खत्म करने के उपाय सुझाने के लिए गुरुपाद स्वामी समिति का गठन किया गया था। तब बालश्रम से जुड़ी सभी समस्याओं के अध्ययन के बाद उस समिति द्वारा सिफारिश पेश की गई थी, जिसमें गरीबी को मजदूरी के मुख्य कारण के रूप में देखा गया और सुझाव दिया गया कि खतरनाक क्षेत्रों में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगाया जाए और उन क्षेत्रों के कार्य के स्तर में सुधार किया जाए। समिति द्वारा बाल मजदूरी करने वाले बच्चों की समस्याओं के निराकरण के लिए बहुआयामी नीति की जरूरत पर भी बल दिया गया। वहीं 1986 में बालश्रम निषेध और नियमन अधिनियम पारित हुआ, जिसके अनुसार खतरनाक उद्योगों में बच्चों की नियुक्ति गैरकानूनी है। भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों में शोषण और अन्याय के विरुद्ध अनुच्छेद 23 और 24 को रखा गया है। अनुच्छेद 23 खतरनाक उद्योगों में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है और अनुच्छेद 24 के अनुसार चौदह साल से कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्ट्री या फिर खदान में काम करने के लिए और न ही किसी अन्य खतरनाक काम के लिए नियुक्त किया जाएगा। कानून के मुताबिक चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नियोजन निषिद्ध किया गया है। जबकि धारा 45 के अंतर्गत देश के सभी राज्यों को चौदह साल से कम उम्र के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना अनिवार्य किया गया है। फिर भी इतने कड़े कानूनों के होने के बावजूद होटलों और दुकानों में बच्चों से दिन-रात काम कराया जाता है। भारत में बालश्रम व्यापक स्तर पर है। यहां बाल मजदूरी के लिए बच्चों की तस्करी भी की जाती है। देश के चहुंमुखी विकास में बच्चों का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। यही वे महत्त्वपूर्ण धरोहर हैं, जो एक देश का भविष्य तय करते हैं। इसलिए प्राथमिक रूप से किसी भी देश की सरकार का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य यह होना चाहिए कि वह उन्हें शारीरिक और मानसिक स्तर पर विकास करने का समुचित अवसर उपलब्ध कराए। समाज का प्रयत्न होना चाहिए कि वह ऐसा वातावरण बनाए, जो बच्चों की शिक्षा, विकास और प्रगति की संभावनाओं से भरपूर हो। उन्हें उनकी विकास की अवस्था के दौरान ऐसी शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों से बचाया जाना चाहिए, जो उनके प्राकृतिक विकास में बाधा पहुंचाने तथा भविष्य को अंधकारमय बनाने का कारण बनती हो। भारत में बालश्रम की समस्या व्यापक रूप ग्रहण किए हुए है। पिछले सात दशकों में अनेक योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों, विधि निर्माण तथा प्रशासनिक प्रयासों के बावजूद देश की बाल जनसंख्या का एक बड़ा भाग दुख और कष्ट भोग रहा है। देश में अधिकांश परिवारों में माता-पिता द्वारा उपेक्षा, संरक्षकों द्वारा मारपीट तथा मालिकों द्वारा लैंगिक दुर्व्यवहार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। फिर भी हैरानी है कि इसे गंभीर समस्या नहीं माना जाता है।

बाल मजदूरी देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। किसी भी देश के बच्चे उस देश का आने वाला भविष्य होते हैं और अगर उन्हीं बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं होगा, तो वे देश के भविष्य का निर्माण कैसे कर सकेंगे। इसलिए समाज को जागरूक होकर इसे रोकने के लिए और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। यह न सिर्फ उन गरीब मासूम बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि उनके मानवाधिकारों का भी हनन है। इसके लिए सरकारों को कुछ व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आम जनता की भी इसमें सहभागिता जरूरी है। हर व्यक्ति जो आर्थिक रूप से सक्षम है, अगर ऐसे एक बच्चे की भी जिम्मेदारी लेने लगे, तो सारा परिदृश्य ही बदल जाएगा।

योग वैराग्य और वेदांत के शलाका पुरुष थे स्वामी सहजानंद सरस्वती

(26 जून पुण्य तिथि पर विशेष)

प्रखर जखनियां गाजीपुर। (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। दया धाम उद्याम दार्शनिक, आदि अंत के अंतयार्मी ।स्वयंभू सदा सर्वदा सेवक, सहचर स्वामी।। लाखों भूख प्यास के मारे , मरे हुए आंखों का पानी ।प्राण पटल पर लिख दी जिसने, कसक सिसक की करुण कहानी।। उपरोक्त पंक्तियां शब्द पुनर्जागरण के सलाका पुरुष स्वामी सहजानंद सरस्वती के बहुमुखी प्रतिभा को परिभाषित करती हैं ।जी हां बात उस महान व्यक्तित्व की करते हैं जिनकी याद में प्रतिवर्ष दो बार उनके पैतृक गांव देवा में वृहद समारोह का आयोजन किया जाता है ।पहला जन्मदिन के मौके पर महा शिवरात्रि के दिन तो दूसरा 26 जून की नियत पुण्य तिथि पर ।विज्ञान बुद्धि संपन्न बहुआयामी सांस्कृतिक राजनीतिक व जुझारू व्यक्तित्व के कारण अपने समय के समस्त राजनयिकों में विशिष्ट पहचान बनाने वाले स्वामी सहजानंद सरस्वती उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के जखनिया तहसील के दुल्लहपुर थाना अंतर्गत देवा गांव में 22 फरवरी 1889 में श्री बेनी राय शर्मा की चौथी संतान के रूप में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जन्म लेकर नव रत्नों से अलंकृत बालक नव?रंग राय ने देवा गांव को देव गांव बना दिया।जो आगे चलकर बालक नव रंग ने ज्ञान शक्ति एवं वैराग्य के बलबूते सहज आनन्द प्राप्त कर स्वामी सहजानंद हो गये। जन्म के तीसरे वर्ष में माता का साया सिर से उठ जाने के कारण बालक नवरंग राय मातृत्व स्नेह से बंचित हो गए।18 89 मे 10 वर्ष की उम्र में शिक्षा ग्रहण करने के लिए पास के प्राथमिक विद्यालय में दाखिला कराया गया ।1902 में जर्मन मिशन स्कूल गाजीपुर जो वर्तमान में सीटी कॉलेज में पढ़ने के लिए प्रवेश कराया गया। बढ़ती हुई उम्र में 1905 में परिवार वालों द्वारा वैवाहिक बंधन में बांध दिया गया। अंततः एक वर्ष बाद1906मे पत्नी को काल ने छीन लिया। पत्नी की मृत्यु के बाद स्वामी जी का एकाकी जीवन परिवार वालों को रास नहीं

आया और परिवार वालों ने फिर एक बार पुनःवैवाहिक सूत्र में बांधने का प्रयास किया । वर्ष 1907मे स्वामी जी पुनर्विवाह के भय से स्कूल छोड़ कर काशी पहुंचकर दशनामी संप्रदाय के स्वामी अच्युतानंद गिरी से सन्यास ग्रहण कर लिया और उन्नीस सौ आठ तक समग्र भारत का भ्रमण तथा योग सिद्धि गुरु की तलाश की सफलता के बाद 1909 से 1910 में काशी में ही दंडी स्वामी अद्वैतानंद सरस्वती से दंड ग्रहण कर दंडी स्वामी की उपाधि ग्रहण कर लिए। योग साधना की आकांक्षा पूरी न होते देख कर ज्ञान मार्ग की ओर प्रवृत्त हों गए। तथा 1912 तक तत्कालीन भारत विख्यात काशी और मिथिला के गुरुजनों से शास्त्र अध्ययन किया ।इस प्रकार स्वामी सहजानंद सरस्वती के जीवन के 23 वर्ष का कालखंड तैयारी के रूप में कहें जा सकते हैं। स्वामी जी अगले 16 वर्ष तक सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे वर्ष 1949 में बिहटा (बिहार) भूमिहार ब्राह्मण जाति सम्मेलन में उपस्थित हुए थे। स्वामी जी समझौता वादी नहीं थे। सत्य के प्रति समर्पित और सच्चे देश भक्त थे।भारत के इतिहास में जब-जब किसान आंदोलन की बात होगी सहसा आंदोलन के हृदय पटल पर स्वामी जी का नाम निर्विवाद अंकित रहेगा ।यह सत्य है कि तिलक गांधी जैसे ना जाने कितने लोगों ने अपने समय में किसान आंदोलन चलाया परंतु स्वामी ने जो अखिल भारतीय किसान आंदोलन की? स्थापना किया वह काफी सशक्त और प्रभावशाली एवं किसानों का सच्चा हितैषी साबित हुआ ।किसान को भगवान मानकर हृदय में ?स्थापित करने वाले स्वामी जी किसान के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए कहते थे दुनियां माने या ना माने ,मगर मेरा तो भगवान किसान ही है और मैं उनका पुजारी हूं। स्वामी जी निष्कपट कटु सत्य और वाक् पटु थे । जिन को लोभ भी छूने में भी डरता था। एक मिसाल के तौर पर कहा जाता है कि 1949 में बीहटा(बिहार) में स्वामी जी की हीरक जयंती मनाई गई। और समारोह समिति द्वारा साठ हजार की थैली भेंट की गई जिसको स्वामी जी ने वहीं जनहित में दान कर दिया। स्वामी जी की देशभक्ति अन्य भारतीय वामपंथियों से मेल नहीं खाती थी ।यही वजह थी कि लोगों से वैचारिक मतभेद भी रहता था। यही कारण था कि किसी भारतीय नेता की तुलना में सुभाष चंद्र बोस के साथ उनका स्वभाव गत मेल प्रकार था सचमुच विद्वान सन्यासी किसान मजदूर राज्य की स्वतंत्रता स्वतंत्रता पूर्व के समर्पित गांधीवादी तथा आजादी बाद मार्क्सवाद प्रभावित क्रांतिकारी गंभीर साहित्यकार प्रखर पत्रकार और जुझारू समाज सेवी के रूप में समर्पित थे। कहा जाता है कि यदि गांधी का कालखंड रामराज और करुणा की उपज बनकर उतरने वाला था तो स्वामी सहजानंद का मार्कसवाद भी करुणा से संबद्ध था। ऐसी ही स्वामी जी की अनेक साहित्यिक कृतियां जैसे कर्म कलाप ,झूठा भय और मिथ्या अभिमान, खेत मजदूर, मेरा जीवन संघर्ष ,क्रांति और संयुक्त मोर्चा ,महारुद्र का महा तांडव ,जंग और आखिरी लड़ाई ,और गीता हृदय ,आज शोध छात्रों के लिए अमूल्य धरोहर है होश संभालते ही जिसे योग बैराग और वेदांत ने अपनी ओर खींचा उस महामानव को मौत ने अपने क्रूर पंजों से 26 जून 1950 को हमसे छीन कर अपनी गोद में सुला दिया।

बाहरियों को पार्टी में शामिल करने से कई राज्यों में भाजपा के समक्ष खड़ी हो रही हैं चुनौतियाँ

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की ही नहीं बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। इसके सदस्यों की संख्या कई करोड़ों में है। जो दुनिया के कई देशों की जनसंख्या से भी अधिक है। भाजपा का राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबंध होने के कारण वह प्रारंभ (जनसंघ के जमाने) से ही अनुशासन वाली पार्टी मानी जाती रही है। कम्युनिस्ट पार्टियों की तरह ही भाजपा भी एक कैडर बेस पार्टी है। अपने पार्टी कैडर के बल पर ही भाजपा राजनीति में इतनी लंबी छलांग लगा पाई है। पिछले सात वर्षों से केंद्र में भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार चला रही है। वहीं देश के आधे से अधिक प्रदेशों में भाजपा व उनके गठबंधन के साथी दलों की मिलीजुली सरकारें चल रही हैं। पहली बार भाजपा ने देश में राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति का चुनाव भी अपने बल पर जीता था।

भाजपा लगातार पूरे देश में मजबूत होती जा रही है। देश के एक दर्जन प्रदेशों में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। कई प्रदेशों में पार्टी गठबंधन की सरकार में शामिल है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड जैसे प्रदेशों में भाजपा मुख्य विपक्षी दल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक रूप से भाजपा एक सशक्त पार्टी बन चुकी हैं। आज देश में कांग्रेस सहित कोई भी ऐसी राजनीतिक पार्टी नहीं है जो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से सीधा मुकाबला कर सके। अब तो कांग्रेस भी भाजपा के सामने पस्त पड़ चुकी है। भाजपा जैसे-जैसे बड़ी पार्टी बनती जा रही है। वैसे-वैसे दूसरे दलों के नेता भी लगातार भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उनमें से कई लागों को बड़े पद भी दिए गए हैं। बाहर से आने वाले नेताओं के कारण पार्टी में वर्षों से काम कर रहे लोगों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इससे पार्टी में बहुत से प्रदेशों में कलह होने लगी है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जबरदस्त हवा को देखकर तृणमूल कांग्रेस सहित कांग्रेस व वामपंथी दलों के बहुत से नेता भाजपा में शामिल हुए थे। जिनमें से बहुत लोगों ने टिकट लेकर विधायक का चुनाव भी जीता था। उन्हीं में से एक बड़े नेता मुकुल रॉय तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में आए थे। मगर बंगाल में भाजपा की सरकार नहीं बनने व मुकुल रॉय को नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाने से नाराज होकर वह वापस तृणमूल कांग्रेस में चले गए। उनके साथ और कई विधायकों की भी तृणमूल कांग्रेस पार्टी में जाने की चर्चा जोरों से है। इससे भाजपा की स्थिति असहज हो रही है। पश्चिम बंगाल के मूल भाजपाई भी पार्टी के बड़े नेताओं पर दलबदलू को प्रश्रय देने से नाराजगी जता रहे हैं।

ऐसे ही असम में 2016 के चुनाव में असम गण परिषद से आए सबार्नंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हाल ही

के चुनाव के बाद कांग्रेस से आए हिमंत बिस्व सरमा ने भाजपा नेतृत्व पर खुद को मुख्यमंत्री बनने का दबाव बनाया। जिसके चलते उनको मुख्यमंत्री बनाया गया। इससे पहले भाजपा में दबाव से कोई भी व्यक्ति पद नहीं ले सकता था। मगर अब स्थिति बदली हुयी है। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद उनके समर्थकों व भाजपा के पुराने कार्यकताओं में अभी भी 36 का आंकड़ा देखा जा सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में दूसरे दलों से आये नेताओं को प्रत्याशी बनाने से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा था। बाहर से आए नेताओं के जीतकर विधायक बनने के बाद उनके पार्टी छोड़ने की लगातार खबरें आती रहती हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कांग्रेस के विधायकों को तोड़कर भाजपा की सरकार तो बना ली। मगर उन्हें लगातार अपनी ही पार्टी के उन विधायकों का विरोध झेलना पड़ रहा है जो बाहर से आए हुए लोगों के कारण मंत्री बनने से वंचित रह गए। गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पटेल के मध्य वर्चस्व की जंग चल रही है। गोवा में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत व स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के मध्य कोविड के दौरान खुलकर बयानबाजी हुयी थी। झारखंड में जरूर भाजपा ने प्रदेश में सत्ता गंवाने के बाद एक सही फैसला लेते हुए अपने पुराने आदिवासी नेता बाबूलाल मरांडी को फिर से पार्टी में शामिल करवा कर पुरानी गलती को सुधारा है।

हरियाणा में भी कांग्रेस से आये चौधरी वीरेंद्र सिंह, राव इंद्रजीत सिंह जैसे नेताओं का पार्टी को एक बार तो लाभ मिल गया। मगर पिछले विधानसभा चुनाव में वहां भाजपा को सरकार बनाने में दूसरे दलों का सहारा लेना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में कट्टरपंथी महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ भाजपा की सरकार बनाने का सभी जगह विरोध हो रहा था। वह तो अच्छा रहा कि भाजपा आलाकमान ने समय रहते पीडीपी सरकार से बाहर आकर वहां राष्ट्रपति शासन लगवा दिया। जिससे वहां भाजपा का आधार समाप्त होने से बच गया था। वरना यदि पीडीपी से गठबंधन कुछ समय और चलता तो वहां भाजपा साफ हो जाती। राजस्थान में भी सत्ता गंवाने के बाद भाजपा अंतर कलह से गुजर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अगले चुनाव में खुद को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट करने के लिए दबाव बना रही हैं। केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश में नए लोगों को आगे बढ़ा रहा है। संघ पृष्ठभूमि से आए सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को संकेत भी दे दिया है कि आने वाला समय नए लोगों का होगा। समय रहते उन्हें नए लोगों को स्वीकार करना होगा। मगर वसुंधरा राजे अभी भी अपनी जिद पर अड़ी हुई हैं और अपने समर्थकों से आए दिन बयान दिलवाकर भाजपा नेतृत्व पर दबाव बनाने का प्रयास कर रही हैं। प्रदेश में भाजपा की नई पीढ़ी आगे आ रही है जिनमें प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राजेंद्र सिंह राठौड़, दीया कुमारी मुख्य हैं। यदि वसुंधरा राजे अपनी जिद पर अड़ी रहीं तो पार्टी नेतृत्व उनके खिलाफ कड़े फैसले लेने से भी नहीं हिचकेगा। वसुंधरा राजे को समझना चाहिए कि अब उनका समय चला गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में जब वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ रहा जा रहा था। तब प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मीटिंग में खुलकर नारे लगते थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं।

नगर विकास मंत्री ने की समीक्षा और दिए योजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश

लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र व चाभी सौंपी, सफाईकर्मियों को दी फॉगिंग मशीन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। नगर विकास मंत्री व वाराणसी जिले के प्रभारी मंत्री आशुतोष टंडन ने शुक्रवार को पिंडरा ब्लॉक सभागार में ब्लॉक स्तरीय विकास कार्यो व पंचायत विभाग के कार्यो की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक में गेहूं क्रय की स्थिति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास, विधवा, वृद्धा पेंशन के अलावा कोविड के लिए बने हेल्प , निगरानी समिति, दवा की उपलब्धता व वैक्सीनेशन की स्थिति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने ग्राम स्तर पर गठित निगरानी समिति को सक्रिय करने व ग्राम स्तर पर कोरोना के तीसरी लहर को रोकने के निर्देश दिए। लगभग 35 मिनट तक चले समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से विकास योजनाओं व ग्रामीणों से सम्बंधित योजनाओं को समय से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। विधायक डॉ अवधेश सिंह, डीएम कौशलेश मिश्र, सीडीओ मधुसूदन हुलगी,

सीएमओ बीवी सिंह, बीएसए राकेश सिंह, बीडीओ वी के जायसवाल समेत अनेक अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे। इसके पूर्व नगर विकास मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, विधवा व वृद्धा पेंशन के 5-5 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास पूर्ण होने पर 5 लाभार्थियों को चाभी सौंपी गई। वही स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगे कोविड वैक्सीनेशन सेंटर व आरटी पीसीआर टेस्ट के सेंटर को देखा और वैक्सीन ले रही महिला उर्मिला से पूछा कि दर्द तो नही हुआ। कृषि यंत्रों के देखने के दो दर्जन सफाई कर्मियों को बैटरी चलित फॉगिंग मशीन को वितरित किया। कार्यक्रम के अंत मे ब्लॉक परिसर में अशोक व पीपल का पौधरोपण किया। इसके बाद नगर विकास मंत्री इसके बाद गंगापुर स्थित सीएचसी पर पहुचे और कोविड की तैयारी के तहत बन रहे वार्ड व ऑक्सीजन प्लांट के प्रगति को देखा। इस दौरान सेंटर पर हो रहे वैक्सीनेशन को देखा और तैनात चिकित्सकों की जानकारी ली। सीएचसी सेंटर पर सर्जन की तैनाती न होने तथा महिला चिकित्सक की तैनाती न होने की जानकारी मिलने पर सीएमओ को निर्देशित किया। विदित हो कि उक्त सीएचसी पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने गोंद लिया है। मंत्री ने गोद भराई और बच्चो को वितरित किये फल ब्लॉक से लौटते समय एक गांव का निरीक्षण का कार्यक्रम था लेकिन समयाभाव में ब्लॉक के समीप स्थित गंगापुर गांव पहुचे लेकिन वहां केवल 4 महिलाओं की गोद भराई की तथा 40 बच्चो को फल भी वितरित किये। इस दौरान उन्होंने सुपरवाइजर शीला यादव व अनिता सिंह से बच्चो के बाबत जानकारी ली। मंत्री व विधायक ने बच्चो को दुलारा भी। लगभग 10 मिनट तक गंगापुर के पंचायत भवन व आंगनवाड़ी केंद्र पर रहे। वही पंचायत भवन के बगल में ही बने सामुदायिक शौचालय की चाभी अनिता पटेल को सौंपी। अनिता पटेल स्वयं सहायता समूह की सदस्य है जिन्हें 6 हजार रुपए मानदेय पर देखभाल के लिए रखा गया है। सीएचसी का किया निरीक्षण और दिए सख्त निर्देश नगर विकास मंत्री के सीएचसी आने के चलते पूरे सीएचसी की साफ सफाई की गई थी। जिसकी तारीफ मंत्री ने भी की। लेकिन कहाकि यह व्यवस्था हर समय होनी चाहिये। उन्होंने सीएचसी मंगारी पर तैनात चिकित्सको के बाबत जानकारी ली। जिसपर किसी सर्जन व महिला चिकित्सक के न होने पर सीएमओ को डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ने कोरोना के तीसरी लहर के लिए तैयार हो रहे उक्त अस्पताल के वार्ड व लग रहे ऑक्सीजन प्लांट के प्रगति को देखा और जानकारी ली। मंत्री के निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए पूरे अस्पताल की विशेष साफ सफाई के साथ पूरा स्टॉप फूल ड्रेस में दिखे। मंत्री ने वैक्सीनेशन सेंटर को भी देखा और वैक्सीनेशन करवा रहे लोंगो से बात कर हालचाल पूछा। सीएचसी मंगारी पर 8 मिनट तक रहे।

मंत्री का जगह जगह किया गया स्वागत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विस क्षेत्र में प्रथम आगमन पर कार्यकताओं ने जगह जगह फूल माले व गुलाब की पंखुड़ियों के साथ स्वागत किया। बाबतपुर ओवर ब्रिज, बाबतपुर नए एयरपोर्ट चौराहा, मंगारी व गंगापुर चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया। वही ब्लॉक के अंदर पहुचने पर कतारबद्ध ग्राम प्रधानों ने गुलाब के फूल भेंट कर मंत्री का स्वागत किया।

ग्राम प्रधान रायसेनपुर ने मनरेगा कार्य शुरू कराया

प्रखर सेवराई गाजीपुर। पंचायत चुनाव के बाद निर्वाचित ग्राम प्रधानों ने सपथ लेने के साथ ही गांव के समग्र विकाश का कार्य

करना शुरू कर दिया है इसी क्रम में भदौरा विकासखंड के रायसेनपुर गांव में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि मुन्ना राजभर ने मनरेगा के तहत कार्य कराना शुरू कर दिया है। गौरतलब हो कि बीते कई माह से आदर्श आचार संहिता एवं चुनाव के कारण गांव के विकास कार्य रूक गए थे। जो चुनाव संपन्न होने के बावजूद प्रधानों का शपथ ग्रहण समारोह ना हो पाने के कारण रुका हुआ था। शपथ ग्रहण के बाद ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुन्ना राजभर ने मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार योजना अंतर्गत मजदूरों को काम देना शुरू कर दिया है शुक्रवार से शुरू हुए इस कार्य से जहां मजदूरों में खुशी है वही गांव के विकास कार्य शुरू होने से भी लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इस संबंध में मुन्ना राजभर ने बताया कि मनरेगा मजदूरो को कार्य देना मेरी प्राथमिकता में है। इसके अलावा गाव के चौमुखी विकास के लिए कृतसंकल्पित हु।

थाना लालपुर पाण्डेयपुर पुलिस ने अभियुक्त चन्दन राजभर को किया गिरफ्तार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व घटनाओ के अनावरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन मे थाना लालपुर - पाण्डेयपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आजमगढ़ रोड अन्डर बाइपास रिंग रोड पर मिठाई की दुकान के पास थाना लालपुर पाण्डेयपुर से मु.अ.स. 0101/2021 धारा 379,411 भा.द.वि. के वांछित चन्दन राजभर पुत्र सुभाष राजभर निवासी अमरौना थाना चन्दवक जनपद जौनपुर को दिनांक 24.06.21 रात्रि 21.40 बजे गिरफ्तार किया गया।

गांव के सरकार के मुखिया है आप -आशुतोष टंडन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने कहाकि गांव की सरकार जहाँ ब्लाक पर मौजूद हैं वही सरकार के अंग के रूप में कार्यकर्ता उपस्थित है। दोनों ही समाज की वह कड़ी है जिससे विकास और सरकार दोनों तय होते हैं। उक्त बातें शुक्रवार को पिंडरा विधान सभा क्षेत्र में पहली बार आये मंत्री ने पिंडरा ब्लॉक के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान , बीडीसी व भाजपा कार्यकताओं के बीच आयोजित संवाद व सम्मान समारोह के दौरान कही। ब्लॉक परिसर में ही बने भव्य मंच पर पहले नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों व बीडीसी से संवाद करते हुए कहा गांव के सरकार के मुखिया आप है। कोरोना जैसी महामारी को मात देने की जिम्मेदारी सबसे पहले आप लोगों की है। ग्राम प्रधान ईमानदारी से बिना भेदभाव से विकास करे। हमारी सरकार आपके साथ है। वही कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार कार्यकर्ताओ के बदौलत बनती है। बिना कार्यकर्ताओ के पार्टी फिर सरकार की कल्पना नही कर सकते। कार्यकर्ताओ के त्याग और तपस्या के बदौलत दो सीट से जीत की शुरूआत करने वाली पार्टी की केंद्र व राज्य में सरकार है। उन्होंने आपात काल मे पार्टी के लिए त्याग करने वाले बुजुर्ग व वरिष्ठ भाजपा नेता व पिंडराई निवासी वंशनरायन पाठक व आरएसएस के वरिष्ठ व बड़ागाँव निवासी मथुरा प्रसाद गुप्ता को मंत्री व विधायक ने स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व कार्यकर्ताओ ने मंत्री का और मंत्री ने ग्राम प्रधान व बीडीसी सदस्यों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस दौरान विधायक डॉ अवधेश सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह, पवन सिंह, मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक, समरेश सिंह, अजय पटेल व अरविंद मिश्र तथा अभिषेक राजपूत, दिनेश सिंह, पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र सिंह, सतेंद्र सिंह, प्रिंस गुप्ता, शिववचन, अजय ऊदल, अतुल रावत समेत सैकड़ो कार्यकर्ता व ग्राम प्रधान व बीडीसी सदस्य रहे। सम्मान समारोह में नही दिखी सोशल डिस्टेंसी सम्मान व संवाद समारोह के दौरान सोशल डिस्टेंसी की धज्जियां उड़ गई। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जेपी दुबे के अनुरोध को भी कार्यकर्ता अनसुना कर मंच पर चढ़ गए। वही आधे लोग बिना मास्क के ही दिखे। मास्क लगाने के निर्देश दे रहे आईएएस को भी कार्यकर्ताओ की खरी खोटी सुननी पड़ी।

कोरोना की हर चुनौती से लड़ने को है तैयार: एसडीएम रमेश मौर्य

प्रखर सेवराई गाजीपुर। कोरोना संक्रमण के तीसरी लहर आने की संभावना पर इससे लड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। जहा लोगो को स्वास्थ्य केंद्र और गांव गाँव मे जाकर अधिकतम संख्या में टीका लगाया जा रहा है। तो कही सचल वाहन के जरिये माइक से अनाउंस कर इससे बचने का उपाय बताया जा रहा है।

तीसरे लहर की संक्रमण से बचने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा पर तैयारियां जोरो से शुरू कर दी गई है । गुरुवार की दोपहर उपजिलाधिकारी सेवराई रमेश मौर्य संभावित तीसरे लहर की तैयारियों के लिए सरकार द्वारा सीएचसी पर बच्चों के लिए 12 बेड का विशेष वार्ड बनाए जाने ऑक्सीजन प्लांट लगाने सहित हो रहे टीकाकरण की समीक्षा करने के लिए मौके पर पहुंचे थे । निरीक्षण के दौरान वार्ड के बाहर अस्पताल के अंदर ही कूड़ा ट्राली देख एसडीएम रमेश मौर्य ने प्रभारी चिकित्सक सहित स्वास्थ्य कर्मियों को फटकार लगाने के साथ साथ अस्पताल की साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया । एसडीएम ने स्वास्थ्य कर्मियों को आज के बाद अस्पताल के अंदर कूड़ा ट्राली को नहीं रखने का भी नसीहत देते हुए वैक्सीनेशन कराने पर विशेष ध्यान देने के लिए भी निर्देशित किया ।इस संदर्भ में मीडिया से बात करते हुए उपजिलाधिकारी सेवराई रमेश मौर्य ने बताया कि कोरोना के संभावित तीसरी लहर को देखते हुए सभी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई है ।

बच्चों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा में 12 बेड का विशेष वार्ड बनाया जा रहा है जिसका कार्य प्रगति पर है लोगों को कोविड19 टीकाकरण कराने के लिए जागरूक पर अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण कराया जा रहा है । रमेश मौर्य ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा पर ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है जो जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा । इस मौके पर तहसीलदार आलोक कुमार व प्रभारी चिकित्सक धनंजय आनंद भी मौजूद रहे ।

स्वामी सहजानंद की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भूमिहार ब्राह्मण समाज वाराणसी की एक बैठक शुक्रवार को पिंडरा में हुई। जिसमे स्वामी सहजानंद सरस्वती जी के पुण्य तिथि पर उन्हे याद कर के श्रधांजली समर्पित किया गया। इस दौरान संगठन प्रमुख ईश्वर देव राय ने कहा की 2022 के चुनाव से पहले सरकार भारतीय राजनीति के प्रमुख स्तंभ स्वामी सहजानंद सरस्वती जी प्रतिमा रथयात्रा चौराहे वाराणसी स्थापित किया जाय। जिससे संबंधित पत्रक उचित फोरम पर दिया जा चुका है। ताकि पूर्वांचल के बहुसंख्यक वर्ग भूमिहार ब्राह्मण की आस्था सरकार मे बनी रहे। अखिलेश सिंह ने कहा हम सभी को स्वामी जी के दिखाये हुए मार्ग पर चलना चाहिए। वर्ष 1909 मे स्वामी अद्वेतानंद जी ने उन्हे दंडी स्वामी बनाकर दंड प्रदान किया।

1 जुलाई से हर गांव में चलेगा कोरोना वैक्सिनेशन का अभियान

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कोरोना की तीसरी फेज के आने से पहले प्रशासन कोविड वैक्सीन सभी को लगवाने के लिए कटिबद्ध है।जिला प्रशासन ने अब पीएचसी केंद्रो पर पत्रकारों को टीका लगवा

रही है।हालांकि अभी 45 के ऊपर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने वाले को ही वैक्सिनेशन कर रही है।अगले महीने स्वास्थ्य कर्मी हर गांव में अभियान चलाकर 18 से लेकर 45 से ऊपर तक सभी को वैक्सीन लगेगा। सोंधी ब्लॉक के वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ मसूद खान ने मीडिया को बताया कि अभी तक ऑनलाइन ओपचारिकता पूरी करने के बाद कोरोना की वैक्सीन लगती थी।अब जिला प्रशासन के निर्देश पर ब्लॉक के हर गांव में टीका करण का कार्य कैम्प लगाकर कार्य किया जाएगा।आगामी 1 जुलाई को दो टीमें 19 गांवों में कैंप लगाकर कोरोना का ववैक्सिनेशन होगा।जिस में 18+ युवा के अतिरिक्त 45 वर्ष के आयु वालो का चिन्हीकरण करके डोज दिया जाएगा, बाद में उनका रजिस्ट्रेशन भी कर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि वैक्सीन लगाने के बाद किसी तरह का साइड इफेक्ट नही है।फ्रंट लाइन वर्कर और धर्मगुरुओं से बढ़चढ़ कर हिस्से लेने की अपील की। सोंधी में टीकाकरण के आए पत्रकार यूसुफ खान ने बताया कि हमने कोविशील्ड की पहली खुराक ली किसी तरह की हमे परेशानी नही हुई।सभी को वैक्सीन लगवाने के लिए आगे आना चाहिए।

बनारस की जनता समझ रही है "2022 में खेला होई" - विष्णु शर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पश्चिम बंगाल के चुनाव के दौरान मशहूर हुआ स्लोगन 'खेला होबे' अब बंगाल से उत्तर प्रदेश के बनारस पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में इस स्लोगन में थोड़ा बदलाव करते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी ने इसे अपने पार्टी के प्रचार के रूप में अपने ही घर के बाहर व अंदर की दीवारों पर लिखवाया है कि "उम्मीद की साइकिल, 2022 में खेला होई"। जो सर्वत्र चर्चा का विषय के साथ आकर्षण का केंद्र बिन्दु बना हुआ है। वाराणसी समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि यह जिंदा शहर बनारस है और 2022 के उत्तर प्रदेश के चुनाव में "जिंदा शहर बनारस" से "2022 में खेला होई"श्री शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के सरकार ने पश्चिम बंगाल के चुनाव के दौरान बंगाल की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के संसाधनों और उनके सभी गैर

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को ध्वस्त करते हुए ममता बनर्जी को भारी जनादेश दिया और भाजपा की रणनीति जनता के आगे विफल साबित हुई ठीक उसी प्रकार उत्तर प्रदेश व खासकर बनारस की जनता समझ रही है और 2022 में जवाब देने को तैयार बैठी है और 2022 मे पश्चिम बंगाल की तर्ज पर खेला होबे की तर्ज पर उ प्र के साथ साथ बनारस के आठो विधान सभा मे खेला होई। "खेला होबे" को पश्चिम बंगाल के जनता ने स्वीकारा उसी प्रकार "2022 में खेला होई" को उत्तर प्रदेश की जनता खासकर बनारस की जनता समझ रही है और आने वाले चुनाव में जनता ने मन बना लिया है भाजपा को हटाने के लिए विष्णु शर्मा ने कहा कि कोरोनाकाल में घरेलू बचत घट रही है, कोविड महामारी के दौरान लोगों ने अपनी बचत को खर्च कर दिया। आबादी का एक बड़ा हिस्सा जमापूंजी को तोड़कर घर चलाने को मजबूर है। घरेलू बचत पर बहुत ज्यादा असर है, नौकरी जाने से लेकर सैलरी कम होने से लोग अपनी जमापूंजी खर्च करने पर विवश है। फिक्स डिपाजिट भी घटा है ये आरबीआई भी कह रही है, अतः भाजपा की नीतियों के वजह से देश की आर्थिक स्तिथि नाजुक है। बीजेपी की हार उसकी नीतियों की हार है, जिससे जनता त्रस्त हो गई है, 2014 से 2019 में भारतीय जनता पार्टी फिर से सत्ता में आयी और देश के अंदर नफरत का माहौल बना दिया। कोरोनकाल में जिस तरह से सरकार का मैनेजमेंट रहा है वह जनता ने देखा है, इसमें दवाओं का अभाव रहा। इसमें बड़ी मात्रा में लोगों को ऑक्सीजन नहीं मिला, जिसके कारण ना जाने कितने लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा. इस दौरान महंगाई चरम पर हो गई है. पेट्रोल-डीजल के साथ सरसों के तेल के दाम, दाल के दाम, सभी ट्रांसपोर्टिंग की वजह से महंगा हो गया. भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं. जनता ने मन बना लिया है जिस तरह से बंगाल में "खेला होबे" हुआ है अब उत्तर प्रदेश में "2022 में खेला होई।

बसंतपुर के आरोपित हुए गिरफ्तार, गए जेल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना के बसंतपुर गांव में गत 21 जून को आबादी की जमीन को लेकर हुई विवाद में युवक अश्वनी शर्मा के रॉड से हुए हमले के बाद बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में हुई मौत तथा परिजनों द्वारा बवाल के बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बसंतपुर की घटना में शामिल आरोपियों को खालिसपुर स्थित रेलवे स्टेशन के पास से गुरुवार को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया। आरोपित प्रमोद शर्मा , ओमप्रकाश शर्मा व अभिषेक शर्मा को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह कही भागने के फिराक में थे। गिरफ्तार आरोपितों को धारा 323,504, 506, 308 व 304 के तहत जेल भेजा गया। गिरफ्तार करने वालो में थाना प्रभारी संजीत बहादुर सिंह, एसआई सुरेन्द्र शुक्ला, बवेश कुमार और हमराही सिपाही शामिल रहे। विदित हो कि उक्त घटना के बाद हुए बवाल और प्रदर्शन को लेकर जमकर ग्रामीणों ने हंगामा किया था और पुलिस के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। जिसपर लापरवाही बरतने के आरोप में एसपी ग्रामीण ने इंस्पेक्टर सिंधोरा रमेश यादव को निलंबित कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

हर्ष फायरिंग में पांच मासूमों को लगी गोली, एक की हालत गंभीर

प्रखर संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के अशरफपुर गांव में गुरुवार की रात बरही कार्यक्रम के दौरान हो रही हर्ष फायरिंग में पांच मासूम बच्चों को गोली लग गई। गोली लगते ही खुशी के माहौल में मातम छा गया। आपको बताते चलें की संतकबीरनगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र के असरगपुर गांव में रामचंद्र नामक युवक द्वारा अपने बच्चे का छट्ठी बरही का कार्यक्रम किया जा रहा तो उसी दौरान गांव की ही एक युवक द्वारा हर्ष फायरिंग किया गया जिसमें फायरिंग के दौरान 5 मासूमों को गंभीर चोटे आई। परिजनो ने घायलों को आनन-फानन में लेकर सीएचसी हैंसर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया। जिसकी सूचना मिलते ही धनघटा पुलिस मौके पर पहुंची घटनास्थल हुए वारदात का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ बताया कि फायरिंग करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है और 4 मासूमों की स्थिति सामान्य और एक की गंभीर होने की बात कहीं। पुलिस अधीक्षक डा0,कौस्तुभ ने बताया फायरिंग करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है घायलों में एक की हालत नाजुक बनी हुई है। अशरफपुर गांव निवासी रामचन्द्र पुत्र लहरी के घर गुरुवार को बरही कार्यक्रम आयोजित हुआ था। कार्यक्रम के दौरान गांव के कुछ लोग लाइसेंसी असलहा लेकर पहुंचे थे। रात करीब दस बजे उक्त लोगों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद पांच मासूम बच्चों को गोली लग गई।गोली लगते ही अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची गई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

ऋषिकेश सिंह बने सेमरियावां के बीईओ शुक्रवार को किया कार्यभार ग्रहण

प्रखर सेमरियावां। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा सत्येंद्र कुमार सिंह ने हैंसर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी रहे ऋषि सिंह को सेमरियावां ब्लॉक की जिम्मेदारी सौंपी है।यहां कार्यरत बिंदेश्वरी प्रसाद मिश्र का सांथा ब्लॉक में स्थानांतरण हो गया है। शुक्रवार के दिन ऋषिकेश सिंह खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सेमरियावां पहुंच कर कार्यभार ग्रहण किया।यहां स्थित कस्तूरबा गांधी,प्राथमिक विद्यालय सेमरियावां और बीआरसी का जायजा लिया। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ऋषिकेश सिंह ने कहा की प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना पहली प्राथमिकता है।स्कूल खुलने पर स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों का शतप्रतिशत नामांकन , संचारी रोग के रोकथाम हेतु दस्तक अभियान को शिक्षकों के साथ मिलकर सफल बनाना है। साथ ही विद्यालय में नामांकित बच्चों तक आनलाइन शिक्षा को बढ़ावा,मध्यान्ह भोजन योजनान्तर्गत सभी बच्चों को खाद्यान्न व कनवर्जन की धनराशि बैंक द्वारा उपलब्ध कराना है।मंगलवार के दिन ब्लॉक के सभी संकुल शिक्षक की बैठक बीआरसी पर आयोजित की गई है।जिसमे कोविड गाइडलाइन के नियमों का पालन करते हुए बैठक में शामिल हों। इस अवसर पर निवर्तमान बीइओ बिंदेश्वरी प्रसाद मिश्र, शिक्षक संकुल जफीर अली ,इरफान खान,आशीष शुक्ल,सुरजन गोंड,सुशील शर्मा,खुरशीद अहमद आदि मौजूद रहे।

रेलवे के डीआरएम से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में फुलवरिया स्थित गेट नंबर 5 ए स्पेशल पर प्राचीन मंदिर के बगल में मानस नगर एवं कुम्हारपुरा होते हुए गेट नंबर 4 जोड़ने वाली उत्तर रेलवे के कच्ची सड़क मार्ग को पक्का बनवाने व ककरमत्ता के समीप अंडर पास मार्ग बनवाने की मांग को लेकर डी0 आर0 एम0, उत्तर रेलवे वाराणसी को उनके लहरतारा कार्यालय पर मुलाकात कर पत्रक सौंपा गया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश्वर पटेल व महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने सयुक्त रुप से बताया कि कांग्रेस जनो का प्रतिनिधि मंडल आज रेलवे के डीआरएम महोदय को पत्रक के माध्यम से संज्ञान में लाते हुए पत्रक सौंपा है, की जनहित में सड़क व ककरमत्ता अंडर पास का निर्माण जल्द से जल्द नहीं होता है तो कांग्रेस जन आंदोलन के लिये बाध्य होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन व स्थानीय प्रशासन की होगी। पत्रक सौंपने वालों में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, डॉ राजेश गुप्ता, वकील अंसारी,विनीत चौबे, आशीष केसरी,ज्ञान प्रताप सिंह,किशन यादव,अनिरुद्ध कुमार पटेल, रामाश्रय पटेल,ऋषि श्रीवास्तव, विनोद अग्रवाल, राकेश त्रिपाठी, गोरे तिवारी, ज्ञानेंद्र पांडे, आदित्य कुमार नीरज, राजेश उपाध्याय, दशरथ कुमार, राजकुमार सिंह, मनजीत कुमार सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

थाना लालपुर पुलिस ने अभियुक्त विकास चौबे को चोरी का माल के साथ किया गिरफ्तार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व घटनाओ के अनावरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन मे थाना लालपुर - पाण्डेयपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर बावनबीघा बाउण्ड्री से मु.अ.स. 0237/2021 धारा 380 भा.द.वि. के वांछित अभियुक्त विकास चौबे पुत्र रामनरेश चौबेउम्र लगभग 22वर्ष निवासी उदयपुर थाना चोलापुर वाराणसी को दिनांक 24.06.21 को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से बोरी में एक अदद गैस का चूल्हा, दो अदद सफेद प्लास्टिक का डिब्बा, 14 अदद मुड़े हुए टुकड़े अक अदद स्टील का पाईप एक टीन बाक्स मुड़ा हुआ तीन अदद फाईबर के टुकड़े दो अदद सफेद प्लास्टिक के पाईप के टुकड़े चोरी का बरामद हुआ अभियुक्त की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना लालपुर पाण्डेयपुर पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ में अभियुक्त विकास चौबे से बोरी में लिये सामानों के बारें पूछा गया तो बताया कि मैने एक दिन पूर्व ही रात्रि में कबाड़ की दुकान से ये सब सामान चोरी किया है।

गहमर में रेल पुनः ठहराव को लेकर भूतपूर्व सैनिकों ने खोला मोर्चा

प्रखर गहमर गाजीपुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर ट्रेनो के पुनः ठहराव को लेकर शुक्रवार की सुबह पूर्व सैनिक सेवा समिति गहमर क्षेत्र द्वारा स्थानीय रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर सुबोध कुमार सिंह के माध्यम से डी.आर.एम दानापुर को ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन देते हुए पूर्व सैनिक सेवा समिति गहमर क्षेत्र के अध्यक्ष भूतपूर्व सूबेदार मारकंडेय सिंह ने कहा कि कोराना काल में भी चल रही विभूति ,मालदाह टाउन - भिवानी फरक्का एक्सप्रेक्स , कामाख्या भगत की कोठी एक्सप्रेक्स एवं हाबड़ा अमृतसर हाबड़ा पंजाब मेल का ठहराव गहमर रेलवे स्टेशन पर एक ग्रामीण रेलवे स्टेशन होने के बावजूद यहाँ सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के सुविधा को देखते हुए दिया था। परन्तु वर्तमान समय में इन ट्रेनों का ठहराव गहमर रेलवे स्टेशन पर यह कहते हुए हटा लिया गया कि यह ट्रेने स्पेशल ट्रेने हैं और इनके आगे 0 लगा है। रेलवे के इस फरमान से देश की विभिन्न सीमाओं पर जाने एवं वहाँ से आने वाले लगभग 20 हजार सैनिकों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। गहमर में ठहराव खत्म किये गये कामाख्या-भगत की कोठी एक्सप्रेक्स हमें देश के पूर्वोत्तर सीमा और राजस्थान से सटी पाकिस्तान सीमा की तरफ ले जाती है। वही पंजाब मेल वाराणसी, लखनऊ, प्रमुख सेंटर रूड़की, लेह के रिपोटिंग स्टेशन अंबाला और अमृतसर तक की यात्रा सैनिकों को कराती है। गहमर ठहराव वाली विभूति एक्सप्रेक्स आर्मी के सी.डी.ए कार्यालय प्रयागराज, दानापुर, मोकामा, दुगार्पुर व हाबड़ा जो कि सेना छावनी है वहा तक ले जाती है। वही पूर्व आनरेरी लेफ्टिनेंट वीर बहादुर सिंह ने कहा कि कामाख्या-भगत की कोठी एवं विभूति एक्सप्रेक्स तो ऐसी ट्रेन है जिनके स्पेशल होने के बाद भी केवल गहमर रेलवे स्टेशन से ठहराव हटाया गया है। जबकि फरक्का एक्सप्रेक्स तथा पंजाब मेल का गहमर से छोटे-छोटे स्टेशनों पर जारी रखते हुए गहमर से ठहराव हटाया गया है। रेलवे का यह कदम देश के सैनिकों का अपमान है, उनकी परेशानियों की संख्या में इजाफा है। रेलवे द्वारा यह कार्य पूरी तरह से जानबूझ कर सैनिक बहुल्य गॉव गहमर एवं सैनिको के खिलाफ एक साजिश है लग रही है। समिति के महामंत्री आनरेरी नायक शिवानंद सिंह ने कहा कि सैनिकों को अधिक पत्र-व्यवहार करने की आदत नही होती, हम सीधे मोर्चा खोलते है। इस पत्र के स्टेशन मास्टर गहमर के मार्फत डी.आर.एम परिचालन को देने के बाद 15 इंतजार करेगे और यदि ठहराव नहीं हुआ रहेगा तो हम इसी पत्र को आधार बना कर अनशन पर बैठ जायेगें। हम अपने हक के लिए हर हद से गुजरना जानते हैं। इस अवसर पर शिवानंद सिंह महामंत्री आनरेरी नायक पूर्व सुवेदार सूर्यवली सिंह , हवलदार महेन्द्र सिंह, नायक रामकुमार सिंह, इस्पेक्टर चन्द्रमा सिंह ,सुवेदार चन्द्रशेखर सिंह, सुबेदार शेषनाग उपाध्याय ,सुवेदार रमाकांत सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

कृषि एवं लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम इमर्जेंसी डे के रूप में मनेगा

प्रखर जखनिया गाजीपुर। तहसील के संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर 26 जून इमरजेंसी डे को कृषि बचाओ, लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में जखनियां कार्यालय समेत गाजीपुर जिला मुख्यालय पर मनाया जाएगा। देश भर में काले कृषि कानूनों के खिलाफ, जारी आन्दोलन का समर्थन करते हुए केन्द्रीय बिजली विधेयक को निरस्त करो, एम एस पी की गारंटी के लिए कानून बनाओं सवाल को प्रमूखता से उठाया जायेगा। इस आशय की जानकारी अखिल भारतीय किसान महासभा के जिलाध्यक्ष गुलाब सिंह,भाकपा-माले के जिला सचिव रामप्यारे राम ने संयुक्त रूप से दी है।

दबंगों ने घर में घुसकर महिलाओं बच्चों को पीटा तीन घायल, किया तोड़फोड़ वीडियो वायरल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। जौनपुर जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मल्हनी गांव में दबंगों ने एक परिवार को ऊपर हमला करके महिलाओं बच्चों को पीट कर घायल कर दिया। इसके बाद घर के सामने शौचालय नाद बर्तन तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया ।पुलिस ने पीड़ित के पति को एक दिन पूर्व हिरासत में लेकर थाने पर बिठा दिया है।जानकारी के अनुसार मल्हनी गांव निवासी मेवालाल को पुलिस ने एक दिन पूर्व गुरुवार की शाम हिरासत में लेकर थाने में बिठा दिया। उसके बाद शुक्रवार की सुबह दबंगों ने लाठी डंडा लेकर मेवालाल के घर में घुस गए महिलाओं बच्चों को बाहर निकाल निकाल कर पीटा, जिसमें शीला देवी श्रीकांत व एक और महिला घायल हुई, घटना के दौरान घर में रखे सामान बर्तन, शौचालय नाद हौद को तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसके घायल 45 वर्षीय शीला देवी थाने पर तहरीर देने गई ।पुलिस ने उल्टे थाने से वापस कर दिया। तहरीर नहीं लिया। और ना ही दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की ।महिला को मारने पीटने का वीडियो भी वायरल हो गया।पीडिता ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि मुदकमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाने से न्याय न मिलने के कारण पीड़िता ने उच्च अधिकारियों का दरवाजा खटखटाया है।

पैसों की हुई बबार्दी, डस्टबिन ई रिक्शा फांक रहे हैं धूल

प्रखर संतकबीरनगर। मगहर नगर पंचायत मगहर ने नगर की साफ सफाई व्यवस्था के लिए कूड़ा-कचरा उठने और कम जरुरत के लिए छोटे पानी टैंकर के साथ ईरिक्शा खरीददारी की गई। जिसे खरीदने में नगर पंचायत ने भारी-भरकम धन खर्च किया। जो कुछ दिन चलने के बाद कार्यालय परिसर में कबाड़ बन कर खड़े हैं। जिससे नगर की सकरी गली मोहल्ले की साफ सफाई में बाधा उत्पन्न हो रही है। नगर पंचायत कार्यालय ने कम खर्च के लिए 4ईरिक्शा पानी के टैंकर और 10 ईरिक्शा डस्टबिन के लिए टेंडर निकाला गया था। जिसके क्रम में उक्त के आपूर्ति के लिए गोरखपुर जनपद की दो फर्मो मेसर्स नीलम कंस्ट्रक्शन एवं रुद्रा एसोसिएट के द्वारा आवेदन किया गया।जिसमें नीलम कंस्ट्रक्शन 4ई रिक्शा पानी टैंकर की तथा रुद्रा एसोसिएट को 10 ईरिक्शा डस्टबिन का टेंडर पाने में कामयाब रही है। नगर पंचायत को रुद्रा एसोसिएट ने 10 ईरिक्शा

डस्टबिन के भुगतान के लिये 6 नवम्बर 2018 को 29 लाख 26 हजार 400 का भुगतान हेतू बिल दिया। जिसका भुगतान 14 नवम्बर 2018 को नगर पंचायत ने कर दिया है। इसके अलावा 4 ईरिक्शा पानी टैंकर के खरीद को नीलम कंस्ट्रक्शन ने 29सितम्बर 2018 को 17 लाख 95 हजार 20 का भुगतान के लिए बिल प्रस्तुत किया। जिसके सापेक्ष में नगर पंचायत ने चौदहवाँ राज वित्त से एक साल बाद 30 सितम्बर 2019 को 12लाख 24हजार 326 का भुगतान भी कर दिया गया है।

मजे की बात यह है कि जब से 14ई रिक्शा खरीद कर आने के बाद कुछ ही महीने चलने के बाद से नगर पंचायत कार्यालय परिसर में खड़े खड़े धूल फांक रहे हैं। मात्र पानी टैंकर वाला ईरिक्शा प्रयोग में लाया जाता है। इस सम्बंध में नगर पंचायत कार्यालय के लिपिक संजय कुमार दूबे ने बताया कि चार पानी टैंकर ईरिक्शा में से तीन चालू हालत में है। शेष अन्य ईरिक्शों की बैटरी खराब हो गई हैं। जिसके कारण ईरिक्शा खड़े हैं। उसे शीघ्र ही बैटरी बदल कर नई बैटरी लगाई जाएगी।

स्वामी जी के परिनिर्वाण दिवस पर होंगे अनेकों कार्यक्रम

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। किसान आंदोलन के प्रणेता परमहंस दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती के परिनिर्वाण दिवस पर आज 26 जून को उनके पैतृक गांव देवां में यद्यपि प्रत्येक वर्ष उनके पैतृक ग्राम देवा में तथा दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन पर लगी प्रतिमा के समक्ष विगत वर्षों की? तरह इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम होंगे। किंतु इस बार वैश्विक महामारी के चलते सादगी के साथ कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए संपन्न होगा ,इस संबंध में कार्यक्रम के आयोजक कमला पांडे एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी अनिल कुमार पांडे ने बताया कि कोरोनावायरस महामारी में अपमान का दंश झेल रहे झोला छाप डाक्टरों को गांव

के नवनिर्वाचित प्रधान प्रतिनिधि दीपक चौरसिया द्वारा सम्मानित किया जाएगा। ऐसे डाक्टर जो अपनी मेहनत और निष्ठा के बलबूते ग्रामीण क्षेत्रों में देवदूत के रूप में अपनी सेवा भावना का संदेश दिया कभी नहीं भुलाया जा सकता। साथ ही देवा गांव में स्वामी सहजानंद स्मारक स्थल पर 11 अशोक के वृक्ष लगाए जाएंगे।, दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन पर स्थापित प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम की शुरूआत रूलर फ्रंट सोसाइटी के मालिक संजय राय शेरपुरिया द्वारा स्वामी सहजानंद सरस्वती परिनिर्वाण दिवस पर दिन में 9:00 बजे से 12:00 बजे तक कोरोना टेस्ट व 10:00 से 2:00 तक वैक्सीनेशन का कार्यक्रम चलेगा।

एम एन एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी ने वृदह वृक्षारोपण अभियान शुरू किया

प्रखर संतकबीरनगर। कोविड-19 महामारी के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में औषधीय पौधों का महत्व समझते हुए एम एन एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने वृहद वृक्षारोपण अभियान शुरू कर रही है। एम एन एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के कन्वीनर शोएब नदवी ने बताया विगत कई वर्षों से वृहद वृक्षारोपण अभियान में औषधीय और पोषक तत्वों वाले पौधे लगाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को भविष्य में हर तरह की बीमारी से सुरक्षित रहने में मदद मिल सके। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा उपलब्ध जानकारी के मुताबिक अर्जुन, नीम, कदंब, अशोक, हेबिसकस, दहुजन और अमलतास जैसे औषधीय तथा सुगंधित पौधों को वृक्षारोपण अभियान के दौरान लगाए जाने वाले पौधों में शामिल किया जा रहा है। सोएब नदवी ने बताया कि एम एन एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी ने औषधि तथा पोषण देने वाले पौधों की करीब तीन दर्जन प्रजातियां भी इस वृक्षारोपण अभियान के दौरान लगवाने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के दौरान शुक्रवार को ऐसे कुल 500 पौधे लगाए जाएंगे। सोएब नदवी ने कहा कि पर्यावरण के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े सकारात्मक कार्य के लिये विगत कई वर्षों से पर्यावरण के प्रति प्रेरित करते हैं।

नागरिक सुरक्षा के उद्देश्य एवं उनके दायित्वों से अवगत कराया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नागरिक सुरक्षा के चेतगंज स्थित कार्यालय में दो बैच में क्रमशः प्रखंड कोतवाली एवं चौक के वार्डेन सेवा के पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से वाडेनों को नागरिक सुरक्षा विभाग के उद्देश्य, संगठन,इतिहास, वार्डेन के गुण तथा उनके दायित्व, नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई विभिन्न सेवाओं के बारे में, आपदा प्रबंधन में विभिन्न विभागों से समन्वय के बारे में जानकारी दी गई। उप नियंत्रक नीरज मिश्रा ने प्रशिक्षण कार्यशाला में नागरिक सुरक्षा विषयों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सहायक उप नियंत्रक श्रीमती शारदा सिंह, विवेक कुमार, प्रखंड चौक एवं कोतवाली के वरिष्ठ सदस्य पोस्ट वार्डेन, सेक्टर वार्डेन सहित 60 सदस्य शामिल थे।

अपना दल एस ने मनाया पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय वीपी सिंह की जयंती

प्रखर सन्तकबीरनगर। ओबीसी आबादी को समाज की मुख्य में जोड़ने का ऐतिहासिक फैसला लेने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय वी पी सिंह की

जयंती शनिवार अपना दल एस के जिलाध्यक्ष रोहित पटेल की अगुवाई में पार्टी कार्यालय पर मनाई गयी, पूर्व प्रधानमंत्री के फोटो पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया गया,जिलाध्यक्ष के साथ साथ जिला उपाध्यक्ष विशाल चौधरी ,जिला महासचिव दुर्गेश सिंह ,जिलाध्यक्ष युवा मंच जितेन्द्र चौधरी,अनीश सिंह ,स्वतंत्र चौधरी, अंगद चौधरी आदित्य आशुतोष कुमार ने फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया,पूर्व प्रधानमंत्री के जयंती मनाते हुए पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रोहित पटेल ने कहा कि हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय वी पी सिंह जो खुद तो विष पी गए और हमे अमृत दे गए उनके जीवन परिचय पर बोलने के लिए मेरे शब्द नही है,बस इतना कहूंगा कि हाशिये पर खड़े करोड़ो लोगो की जिंदगी सिर्फ एक फैसले पर गयी।

सदियों से चली आ रही दास्तां को खत्म कर वंचितों को अधिकार देने वाले ने आज के ही दिन जन्म लिया था।ये वही राजा है जो जिन्होंने परिजनों के विरोध करने के बावजूद सैकड़ो एकड़ अपनी पुश्तैनी जमीन बाट दिया था जानकारी मुताबिक ऐसा करने के बाद पूरा परिवार इनसे ताउम्र नाराज रहा,जब पूर्व प्रधानमंत्री स्व वी पी सिंह ने मंडल कमीशन लागू किया तो उनके सभाओं में पत्थर भी चले लेकिन फैसले अटल रहे और मंडल कमीशन लागू हुआ।

विनोद सिंह पूर्व विधायक की पुण्यतिथि पर चन्द्रशेखर फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विनोद सिंह पूर्व विधायक की पुण्यतिथि पर चन्द्रशेखर फाउंडेशन द्वारा पौधारोपण 25 जून शुक्रवार दोपहर चौकाघाट पानी टँकी के पास कमली बाबा मंदिर परिसर में विश्राम पुर जिला पलामू झारखंड के पूर्व विधायक विनोद सिंह की पुण्यतिथि के अवसर चन्द्रशेखर फाउंडेशन द्वारा पौधारोपण रोपित कर विनोद सिंह को नमन किया गया। चन्द्रशेखर फाउंडेशन के अध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि चन्द्रशेखर फाउंडेशन विगत कई वर्षों से महापुरुषों की पुण्यतिथि व जयंती के अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण को बचाने का अभियान चलाया जा रहा है जिसमे अपार जनसहयोग मिल रहा है। श्री सिंह ने कहा कि चन्द्रशेखर फाउंडेशन के पदाधिकारियों के अथक प्रयास से भारत के युवाओं में क्लब कल्चर जो इधर दस सालों में बहुत तेजी से डेवलप हुआ था,

चन्द्रशेखर फाउंडेशन के प्रयास से भारत का युवा वर्तमान दौर में क्लब कल्चर से बाहर निकलकर अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण व रक्तदान करने लगा है । चन्द्रशेखर फाउंडेशन की राष्ट्रीय सचिव सुनंदा सिंह जी ने कहा कि हम सभी लोग आपस मे धन संग्रह करके टी गार्ड बनवाया जा रहा जहा जहा पौधों की सुरक्षा के लिए टी गार्ड की जरूरत है वहाँ वहाँ टी गार्ड लगाया जायेगा । चन्द्रशेखर फाउंडेशन की प्रदेश अध्यक्ष आरती शर्मा जी ने कहा कि चन्द्रशेखर फाउंडेशन के प्रयास से पूर्वांचल की महिलाओं में भी पौधारोपण व रक्तदान के प्रति बहुत तेजी से रुझान बड़ा है चंद्रशेखर फाउंडेशन के पदाधिकारी बिहारी यादव जी ने कहा कि पूरे उत्तर भारत के चंद्रशेखर फाउंडेशन के पदाधिकारी पौधारोपण अभियान में लगे है, प्रतिदिन किसी न किसी जनपद में पौधारोपण किया जा रहा है। एक महीने में दस हजार पौधा लगाया जाएगा । चन्द्रशेखर फाउंडेशन के झारखंड महासचिव युवा प्रकोष्ठ अंगद सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर फाउंडेशन द्वारा मेरे मामा जी पूर्व विधायक स्वर्गीय विनोद सिंह जी की पुण्यतिथि पर चन्द्रशेखर फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष पौधारोपण किया जाता है इसके लिए मैं चन्द्रशेखर फाउंडेशन के सम्मानित पदाधिकारियों का सहृदय आभार व्यक्त करता हूं। पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यरूप से सुनंदा सिंह , वन्दना केसरी , बिहारी यादव, आरती शर्मा, उषा अग्रवाल, मेंहदी हसन , रोशन सिंह, अवनीश तिवारी, अजित यादव, श्रवण कुमार, संतोष सिंह , संजय श्रीवास्तव, गुड्डू प्रजापति, दीपक यादव इत्यादि लोगों की रही गरिमामयी उपस्थिति रही ।

शहीद संजय सिंह की 5वी पुण्यतिथि मनाई गई

फाउंडेशन ने गरीब बच्चों में वितरित की गई कॉपी, पेंसिल व मास्क

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के ग्राम भौरा निवासी श्यामनारायण सिंह के शहीद हुए पुत्र संजय सिंह की 5वी पुण्यतिथि पर शुक्रवार को शहीद संजय सिंह फाउंडेशन तहद भौरा व सेनापुर (बड़नपुर)में गरीब व असहाय बच्चों को पठन पाठन सामग्री कॉपी,पेंसिल व मास्क का वितरण बच्चों में किया गया। शहीद के पिता श्यामनारायण सिंह ने मीडिया के द्वारा प्रशासन व जनप्रीतिनिधि का ध्यान शहीद हुए बेटे के उचित सम्मान के लिए आग्रह किये। उन्होंने बताया कि बेटे को शहीद हुए पांच साल हो गए पर अभी तक मेरे बेटे के सहादत का प्रशासन के द्वारा उचित सम्मान नही मिल पाया। गौरतलब है कि 25 जून 2016 में जम्मु कश्मीर के पंम्पोर में पाकिस्तान के द्वारा कायराना आतंकी हमले में सी आरपीएफ के जवान संजय सिंह शहीद हो गए थे।

संक्षिप्त खबरें

राजातालाब तहसीलदार के खिलाफ अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा गया पत्रक

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। राजातालाब तहसील में शुक्रवार को तहसीलदार के व्यवहार से क्षुब्ध होकर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत होकर धरना-प्रदर्शन किया।इस बाबत एसडीएम को पत्रक भी सौंपा गया। दी तहसील बार एसोसिएशन राजातालाब के सभागार में पिछले दिनों अधिवक्ता मनोज कुमार चौबे संग हुए दुर्व्यहार को लेकर महामंत्री नन्दकिशोर सिंह पटेल के नेतृत्व में गठित तीन सदस्यीय कमेटी द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।रिपोर्ट पर चर्चा हो रही थी कि तहसीलदार अपने न्यायालय में आकर बैठ फाइल की सुनवाई करने लगी।बार की तरफ से सूचना देने पर भी सुनवाई बंद नहीं की गई।इससे नाराज अधिवक्ता तहसीलदार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए तहसीलदार न्यायालय के समक्ष धरना प्रदर्शन पर बैठ गए।इसके बाद एसडीएम को एक पत्रक सौंपा गया।इस दौरान तहसीलदार अपने न्यायालय से उठकर चली गई। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा एवं संचालन महामंत्री नंद किशोर सिंह पटेल ने किया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष सर्वजीत भारद्वाज, छेदीलाल यादव, रामजी सिंह पटेल, प्रदीप कुमार सिंह, चंद्रशेखर उपाध्याय, राजन सिंह चौहान, दीपक त्रिपाठी, धीरेंद्र प्रताप सिंह, विजय भारती, रविंद्र वर्मा बालकरण यादव, राकेश राजभर समेत अन्य अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

खेतासराय पुलिस ने गैंगस्टर में वांछित एक युवक को किया गिरफ्तार

प्रखर खेतासराय जौनपुर । पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी होतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में एसपी सिटी डॉ संजय कुमार दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज अंकित कुमार के पर्यवेक्षण में खेतासराय थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव मय हमराह का. सुनील यादव,का. राहुल सोनकर,का.रि. का. सरफराज अहमद द्वारा स्थानीय पुलिस ने गैंगस्टर वांछित एक युवक को शुक्रवार की सुबह गोरारी मोड़ से गिरफ्तार किया है। खेतासराय पुलिस ने गैंगस्टर वांछित युवक को चालान न्यायालय भेज दिया । पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किया गया गैंगस्टर वांछित गुड्डू पुत्र अलीरजा लेदरही गाँव का निवासी है । इस अपराधी पर स्थानीय थानों में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गैंगस्टर वांछित की गिरफ्तारी करने वाली टीम में इंस्पेक्टर राजेश यादव, का. सुनील यादव, का. राहुल सोनकर, रि.का. सरफराज अहमद, हे.का अनन्त यादव, का. छद्दू यादव, का. दिनेश सेराज, का. अमरनाथ यादव आदि पुलिस रही।

कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी के लिए वैक्सीन जरुर लगवाएं : राकेश शर्मा पत्रकार

प्रखर खेतासराय जौनपुर। कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी से बचने के लिए वैक्सीन लगवाना है जरूरी । शुक्रवार दोपहर को पत्रकार राकेश शर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सोंधी पर कोविशिल्ड वैक्सीन 18+ का पहला डोज लेकर वैक्सीनेशन के लिए युवाओं को किया प्रेरित। पत्रकार राकेश कुमार शर्मा ने बताया वैक्सीनेशन लगवाना बहुत जरूरी है वैक्सीन ही कोरोना से बचने का एकमात्र सहारा है । जनपद के समस्त नगर वासियों के लोगों को भी वैक्सीन लगवाने की अपील भी की। वैक्सीन सभी नागरिकों को समय से लगवा लेना चाहिए ताकि कोरोना की तीसरी लहार से जनपद वासियों जंग जीत सकें । अफवाहों पर ध्यान ना देते हुए सभी नागरिक को समझदारी के साथ वैक्सीनेशन जरूरी कराएं।

धूमधाम से मनाया गया हिंदू युवा शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्भय क्रांति का जन्मदिन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पांडेयपुर में हिंदू युवा शक्ति केंद्रीय कार्यालय पर गुरुवार को कार्यालय संरक्षक प्रवीन दुबे ने पूजा पाठ व केक काटकर हिंदू युवा शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्भय क्रांति जी का 32वां जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया। मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया प्रवीन दुबे ने कहा कि ओजस्वी वक्ता, कर्मठ व्यक्तित्व के धनी एवं हिंदू ह्रदय सम्राट यशस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्भय क्रांति को जन्मदिन की अनंत हार्दिक बधाई। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि वह दीघार्यु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रवि गुप्ता,प्रदेश विधिक सलाहकार अम्बरीष सिंह,जिला संरक्षक आरके पाठक,जिला महासचिव रोहित सिंह, जिला महामंत्री अवनीश यादव, अजगरा विधानसभा अध्यक्ष पवन वर्मा, रजत उपाध्याय , सन्नी , विजय पांडेय, नितेश विश्वकर्मा आलोक यादव रोहित राजभर वंश चौधरी राहुल गुप्ता पवन विश्वकर्मा, हेमंत पाठक ,लकी पांडेय,सूर्यकांत शर्मा, राजू सरोज,अमित पांडेय ,सचिन यादव, शिव विश्वकर्मा आईटी सेल समेत,उत्कर्ष चौबे समेत इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं